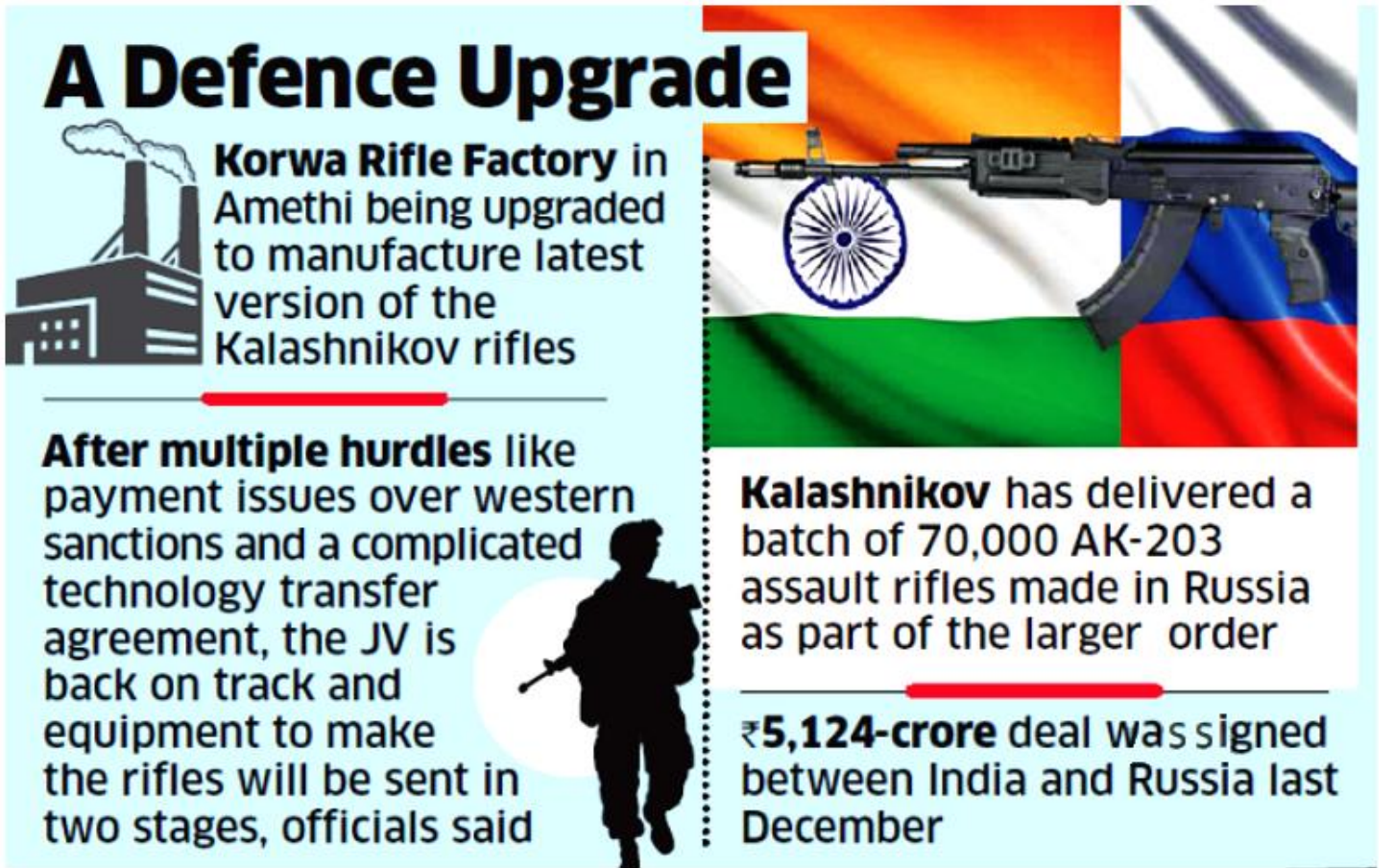


AK-203 राइफल्स

भारत और रूस का संयुक्त उद्यम "इंडो-रसयिन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (IRRPL)" अमेठी, उत्तर प्रदेश में 5,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली 6.1 लाख AK-203 असाॅल्ट राइफलों का निर्माण करेगा।

- इस कारखाने के भारतीय कामगारों का प्रशिक्षण शीघ्र ही शुरू होगा और निर्माण प्रक्रिया तीन वर्ष में 100% स्वदेशीकरण के स्तर तक पहुँच जाएगी।
- AK-203 असाॅल्ट राइफलें भारत में बनी INSAS असाॅल्ट राइफलों और पुरानी AK-47 को स्थानांतरित करेंगी।



A Defence Upgrade

Korwa Rifle Factory in Amethi being upgraded to manufacture latest version of the Kalashnikov rifles

After multiple hurdles like payment issues over western sanctions and a complicated technology transfer agreement, the JV is back on track and equipment to make the rifles will be sent in two stages, officials said

Kalashnikov has delivered a batch of 70,000 AK-203 assault rifles made in Russia as part of the larger order

₹5,124-crore deal was signed between India and Russia last December

अनुबंध की विशेषताएँ

- इंडो-रसयिन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (IRRPL) की स्थापना भारत के तत्कालीन आयुध निर्माणी बोर्ड OFB [अब एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (AWEIL)] और म्युनिशंस इंडिया लिमिटेड (MIL)] तथा रूस के रोसोबोरोनएक्सपोर्ट (RoE) एवं कलाश्निकोव के बीच संयुक्त रूप से की गई थी।
- दिसंबर 2021 में भारत और रूस ने 5,124 करोड़ रुपए के समझौते पर हस्ताक्षर किये।
 - यह हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा रक्षा सौदा है। इस सौदे में पूरण प्रौद्योगिकी हस्तांतरण हेतु भी प्रावधान है। साथ ही

राइफलस को मतिर देशों को भी नरियात कया जाएगा ।

- कलाशनकिव पहले ही **AK-203** असॉल्ट राइफलों के बड़े ऑर्डर के तहत रूस में बनी 70,000 राइफलों की आपूर्तिकर चुका है ।

भारत-रूस रक्षा और सुरक्षा संबंध:

- भारत-रूस सैन्य-तकनीकी सहयोग करेता-वकिरेता ढाँचे से वकिसति हुआ है जिसमें उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों के संयुक्त अनुसंधान, विकास एवं उत्पादन शामिल हैं ।
- दोनों देश नयिमति रूप से त्रि-सेवा अभ्यास (Tri-Services Exercise) '**इंद्र**' आयोजति करते हैं ।
- भारत और रूस के बीच संयुक्त सैन्य कार्यक्रमों में शामिल हैं:
 - **बरहमोस करूज मसिाइल कार्यक्रम**
 - 5वी पीढी का लड़ाकू जेट कार्यक्रम
 - सुखोई एसयू-30एमकेआई कार्यक्रम
 - इल्यूशानि/एचएएल सामरिक परविहन वमिन
 - **KA-226T ट्वनि-इंजन यूटलिटी हेलीकॉप्टर**
- भारत द्वारा रूस से खरीदे/पट्टे पर लयि गए सैन्य हार्डवेयर में शामिल हैं:
 - **एस-400 ट्रायमफ**
 - मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत में बनेगी 200 **कामोव Ka-226**
 - **टी-90एस भीषम**
 - **आईएनएस वकिरमादतिय वमिन वाहक कार्यक्रम**
- रूस अपनी पनडुबबियों के माध्यम से भारतीय नौसेना को सुसजजति करने में भी बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिता है:
 - भारतीय नौसेना की पहली पनडुबबी, '**फॉक्सट्रॉट कलास**' रूस से ली गई थी ।
 - भारत अपने परमाणु पनडुबबी कार्यक्रम के लयि रूस पर नरिभर है ।
 - भारत द्वारा संचालति एकमात्र वमिनवाहक पोत **आईएनएस वकिरमादतिय** भी मूल रूप से रूस का है ।
 - भारत द्वारा संचालति चौदह पारंपरिक पनडुबबियों में से नौ रूस की हैं ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs):

मेनस:

Q. भारत-रूस रक्षा सौदों पर भारत-अमेरिका रक्षा सौदों का क्या महत्त्व है? हदि-प्रशांत कषेत्र में स्थरिता के संदर्भ में इस पर चर्चा कीजयि । (2020)

स्रोत: द हद्रि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ak-203-rifles>